# यूपी में उद्योग लगाने वालों की संख्या बढ़ी: आलोक

लखनऊ, विशेष संवाददाता। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) से उत्तर प्रदेश में उद्योग लगाने वालों ने काफी सराहा है। इसका मकसद उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित कराने की है, जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके। इंवेस्ट यूपी ने शुक्रवार को ताज सांताक्रूज़ मुंबई में उच्च-स्तरीय जीसीसी राउंडटेबिल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

इस मौके पर प्रमुख सचिव नियोजन तथा वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी मिशन के नोडल अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश जीसीसी के लिए दुनिया के सबसे ज्यादा कॉम्पिटिटिव डेस्टिनेशन में एक बनने की स्थिति में है। उन्होंने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल, आईबीएम, जेपी मॉर्गन, टेलीपरफॉर्मेंस और टीसीएस जैसी अग्रणी कंपनियां पहले से ही नोएडा–ग्रेटर नोएडा और लखनऊ में संचालन कर रही हैं, जिससे राज्य का आईटी और आईटी आधारित सेवाओं का इकोसिस्टम मजबूत बना है।

इन्वेस्ट यूपी ने शुक्रवार को मुंबई में निवेशकों के साथ राउंड टेबल बैठक आयोजित की।

उन्होंने जानकारी दी कि राज्य सर्विस-सेक्टर के निवेशकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक प्रोत्साहन-लाभ प्रदान करता है, जिसमें 30-50% भूमि सब्सिडी, संचालन लागत में भी 20% की सब्सिडी उपलब्ध हैं, जिसमें लीज रेंटल, इंटरनेट बैंडविड्थ और विद्युत मूल्य शामिल है। राउंडटेबल में देबप्रिया मुखर्जी (जीएम, टीसीआई), दिनेश पटेल (मुख्य वित्तीय अधिकारी, शक्ति पंप्स), लक्ष्मी अय्यर (एसोसिएट डायरेक्टर, डेलोइट), ललित कत्याल (हेड – बिजनेस फाइनेंस, टेक महिंद्रा), सत्य महापात्रा (कार्यकारी निदेशक, डेलोइट), उत्पल अशर (एसोसिएट पार्टनर, आईबीएम कंसल्टिंग) मौजूद रहे।

## राज्य सरकार दे रही निवेशकों को बढ़ावा

प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने आगे कहा कि राज्य सरकार एक हब-एंड-स्पोक जीसीसी ऑपरेटिंग मॉडल को बढ़ावा दे रही है, जिससे कंपनियां विशेष कौशल का सदुपयोग कर सकें, कम लागत का लाभ प्राप्त कर सकें और संचालन की दक्षता बढ़ा सकें। इस मॉडल के तहत नोएडा-ग्रेटर नोएडा मुख्य केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, जबकि लखनऊ मिड-टियर जीसीसी सिटी के रूप में उभर रहा है। आगरा, कानपुर और मेरठ सैटेलाइट केंद्रों के रूप में विकसित किए जा रहे हैं, वहीं गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज को आने वाले आउटसोर्सिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।